लांछन और भेदभाव को रोकने के लिए सभी हितधारकों के लिए एक मार्गदर्शिका

सामाजिक लांछन किसी व्यक्ति या समूह जिनमें कुछ समान विशेषताएं और लक्षण होते हैं और एक बीमारी के बीच नकारात्मक संबंध कहलाता है। लांछन भेदभाव और सामाजिक अलगाव को बढ़ावा देता है। कोविड–19 महामारी के दौरान कुछ जातिय समूह और ऐसे लोग जो वायरस के सम्पर्क में आए हैं, उनके खिलाफ भेदभाव बढ़ गया है।

लांछन

लांछन और भेदभाव से बचने के लिए लोग बीमारी और उसके लक्षण छिपाते हैं और स्वास्थ्य सेवा लेने में संकोच करते हैं। इस कारण वे खुद के बचाव के लिए सही व्यवहार नहीं अपना पाते। उन्हें अलगाव, अकेलापन, अफसोस व चिंता जैसी नकारात्मक भावनाओं का अनुभव होता है।

कोविड–19 के दौरान लांछन

कोविड–19 ने सामाजिक लांछन और भेदभाव को बढ़ावा दिया है क्योंकि,

1. यह एक नई बीमारी है जिससे बहुत सी अज्ञात बातें जुड़ी हुई हैं
2. हमें अज्ञात चीज़ों से डर लगता है
3. डर को दूसरों से जोड़ना आसान है

हम सबको मिलकर कोविड–19 के दौरान होने वाले भेदभाव को रोकना है। इससे हम इस बीमारी से भी बेहतर तरह से लड़ पाएंगे। इस संदर्भ में निम्न बातों को ध्यान रखें।

क्या करें

सकारात्मक संदेश

लोगों को सही व सकारात्मक संदेश बताएं, ताकि तनाव कम हो सके। सही जानकारी के लिए विश्वसनीय स्त्रोतों जैसे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन का प्रयोग करें।

बोलो

अफवाहों को रोकने के लिए, तथ्यों के सही या गलत होने की जांच व पड़ताल कर लें। इनके खिलाफ आवाज़ उठाएं।

कोरोना से ठीक हुए व्यक्तियों की सकारात्मक कहानी लोगों को बताएं।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, सेवा प्रदाताओं के काम की सराहना करें और उन्हें व उनके परिवारों को समर्थन दें।

वह व्यक्ति जो बीमार हैं या मुश्किल में हैं उनकी सहायता करें।

दयालुता, एकता व सहानुभूति को बढ़ावा दें।

क्या न करें

अफवाह, मिथकों और गलत सूचनाओं को दूसरों तक न फैलाएं।

बीमारी को किसी स्थान या जातीयता से न जोडें और कोरोना वायरस फैलाने के लिए किसी भी समुदाय या क्षेत्र को दोष न दें।

प्रभावित हुए लोग या जो क्वारंटाईन में हैं और उनके स्थानीय इलाके का नाम सोशल मीडिया पे न डालें।

लोगों के बारे में कि वे कोरोना प्रसारित कर रहे हैं, दूसरों को संक्रमित कर रहे हैं या वायरस फैला रहे हैं, ऐसे बात न करें, इसका अर्थ किसी को जानबूझ कर बीमारी फैलाने के लिए दोष देना है।

जिन लोगों का ईलाज हो रहा है उन्हें कोविड पीड़ित ना कहें बल्कि कोविड से ठीक हो रहे लोग कहें।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आवश्यक सेवा प्रदाताओं से भेदभाव और हिंसा न करें।

डर और दहशत को बढ़ावा न दें।

#TogetherAgainstCOVID19

USAID FROM THE AMERICAN PEOPLE
NACO
new concept Centre for Development Communication
unicef for every child